

‘मन की बात’ कार्यक्रम जनभागीदारी का सशक्त माध्यम : रेखा गुप्ता

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को बाहरी दिल्ली के खेड़ा कलां स्थित म्युनिसिपल कार्डेसिलर कार्यालय में स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम ‘मन की बात’ की 139वीं कड़ी सुनी। कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को देश के लिए प्रेरणा, सकारात्मकता और जनभागीदारी का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सहज और सरल भाषा में देश के अलग-अलग हिस्सों में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समुदायों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को सामने लाते हैं। इससे न केवल इन प्रयासों को पहचान मिलती है, बल्कि अन्य लोगों को भी समाज और राष्ट्र के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। ‘मन की बात’ के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को ऐसे प्रयासों से परिचित करते हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक राज करण खत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से दिल्ली के गांवों में टूटी सड़कों, बस सेवाओं की कमी, स्ट्रीट लाइट, चौपाल, सीवर और पानी की पाइपलाइन जैसी बुनियादी समस्याएं अनदेखी रही थीं। अब इनके समाधान के लिए तेजी से काम हो रहा है। सरकार की प्राथमिकता गांवों को बेहतर सुविधाएं, मजबूत बुनियादी ढांचा और शहरों के समान विकास



के अवसर देना है। पिछले एक वर्ष में विकास कार्यों को गति मिली है और इसका असर जमीन पर दिखने लगा है। उन्होंने बताया कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में 400 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य हुए हैं। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी जनता के संपर्क में रहकर स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत हैं। सड़कों, पेयजल और सीवर पाइपलाइन सहित अन्य विकास परियोजनाएं इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं गांव की बेटी हैं और ग्रामीण परिवारों की समस्याओं, अपेक्षाओं व भावनाओं को समझती हैं। सरकार का लक्ष्य गांवों की समस्याओं का चरणबद्ध समाधान कर वहां व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के किसी भी क्षेत्र

को विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि राजधानी के प्रत्येक हिस्से में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो और गांवों तथा शहरी क्षेत्रों के बीच सुविधाओं की असमानता को दूर किया जाए। दिल्ली के शेष 48 गांवों को भी शहरीकृत किया गया है।

सरकार का प्रयास है कि पूरी दिल्ली में विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए और प्रत्येक क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सड़क, जलापूर्ति, सीवर, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं मिलें। मुख्यमंत्री ने ‘मन की बात’ का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों, विज्ञान, तकनीक,

स्वास्थ्य, पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर विचार साझा करते हैं। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के योगदान का जिक्र करते हुए नई पीढ़ी को महापुरुषों के विचारों और आदर्शों से परिचित कराने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए नागरिकों से अच्छे कार्यों को पहचानने, उनका समर्थन करने और दिल्ली को स्वच्छ व विकसित बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने नागरिकों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से गांवों और शहरी क्षेत्रों में विकास को और गति मिलेगी।

हैदरपुर में अवैध पटाखों का गोदाम पकड़ा, 2375 किलो ग्रीन पटाखे जब्त

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में पटाखों की बिक्री और खरीद पर प्रतिबंध के बावजूद उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के हैदरपुर गांव में अवैध रूप से पटाखे जमा करने का मामला सामने आया है। शालीमार बाग थाना पुलिस ने एक गोदाम से करीब 23 विंक्टल 75 किलो यानी 2375 किलो ग्रीन पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, बीट पेट्रोलिंग के दौरान हेड कॉन्स्टेबल अमित कुमार यादव और हेड कॉन्स्टेबल कुलदीप बलियान को सूचना मिली कि हैदरपुर गांव के गोविंद मोहल्ले में एक गोदाम में अवैध रूप से पटाखे जमा किए गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन गोदाम पर ताला लगा हुआ था। इसके बाद गोदाम के मालिक को बुलाया गया और नियमानुसार परिसर की तलाशी

ली गई। तलाशी के दौरान अंदर बड़ी मात्रा में ग्रीन पटाखे रखे मिले। पुलिस ने गोदाम में मौजूद पटाखों के भंडारण से संबंधित लाइसेंस और अनुमति के दस्तावेज मांगे, लेकिन संबंधित लोग वैध कागजात पेश नहीं कर सके। इसके बाद मामले की जानकारी थाने को दी गई। एसआई धीरज सिंह मौके पर पहुंचे और जरूरी कानूनी कार्रवाई करते हुए पटाखों की गिनती और सूची तैयार की। पुलिस ने करीब 2375 किलो पटाखे जब्त कर लिए। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने ग्रीन पटाखे खरीदकर रखे थे। उनकी योजना जरूरी लाइसेंस मिलने के बाद इन्हें बेचने की थी, लेकिन उस समय लाइसेंस की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई थी। इसके बावजूद गोदाम में इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे जमा किए गए थे।

मिठाई की दुकानों पर औचक छापेमारी, 922 किलोग्राम खाद्य सामग्री की गई नष्ट

शबाना बेगम , सद्भावना टुडे
नई दिल्ली। त्योहारों के दौरान लोगों को शुद्ध और सुरक्षित मिठाइयां व खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में निहाल विहार में बिना लाइसेंस चल रही रसगुल्ला निर्माण इकाइयों, अन्य मिठाई निर्माताओं और मिठाई की दुकानों पर औचक छापेमारी कर 402 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट की गई। दूसरी ओर मोरी गेट खोया मंडी में विशेष अभियान के दौरान 520 किलोग्राम खराब खोया और छेना नष्ट किया गया। कुल 922 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट की गई और नमूने उठाए गए। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक वृत्ति जारी करते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा विभाग को नियमित निगरानी के साथ-साथ औचक निरीक्षण और नमूना जांच की कार्रवाई भी प्रभावी ढंग से जारी रखने व नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की शुद्धता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। विशेषकर त्योहारों के दौरान जब मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है, तब खाद्य सुरक्षा के प्रति अतिरिक्त सतर्कता और जिम्मेदारी की आवश्यकता होती है।



उन्होंने कहा कि मिठाइयां हमारी परंपराओं, आस्था और आपसी स्नेह का अभिन्न हिस्सा हैं, इसलिए उनकी शुद्धता सुनिश्चित करना केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर जिम्मेदारी भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी कारोबारी को अधिक मुनाफे के लिए लोगों की सेहत को जोखिम में डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि त्योहारों के उल्लास के बीच प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा सुनिश्चित दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी है। खाद्य सुरक्षा

विभाग की टीमों ने शनिवार को निहाल विहार में बिना लाइसेंस संचालित रसगुल्ला निर्माण इकाइयों, अन्य मिठाई निर्माताओं और मिठाई की दुकानों सहित 13 परिसरों का निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान अस्वच्छ निर्माण और खाद्य पदार्थों के रखरखाव से जुड़ी स्थितियों की जांच की गई। इस दौरान लगभग 402 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट की गई, जिसमें 265 किलोग्राम रसगुल्ला, 45 किलोग्राम छेना, 80 किलोग्राम मिल्क केक और 12 किलोग्राम कसा हुआ नारियल शामिल है। विभागीय टीमों ने जांच के लिए 14 नमूने भी लिए। इनमें छेना के छह, मिल्क केक और रसगुल्ले के दो-दो तथा मोतीचूर के लड्डू, आटे के लड्डू, रसभरी और पनीर के एक-एक नमूने शामिल हैं। विभाग ने यह भी जानकारी दी कि इससे पहले 26 अगस्त को उसकी कार्रवाई के दौरान क्षेत्र की विभिन्न गलियों में मिठाई निर्माण से जुड़ी इकाइयों का पता लगाने में कठिनाई हुई थी। मिठाई बनाने वालों ने अलग-अलग गलियों में अपनी दुकानें बंद कर ली थीं। तब केवल तीन परिसर ही चिह्नित किए जा सके थे। इस बार कार्रवाई को प्रभावी बनाने के लिए छुट्टी के दिन औचक निरीक्षण किया गया और सभी टीमों को अलग-अलग गलियों में एक साथ भेजा गया, ताकि निरीक्षण की भनक पहले से लगने लगे।

जन्मदिन पार्टी में हुई बेइज्जती का बदला लेने के लिए युवक की हत्या, चार नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। जन्मदिन की पार्टी में हुई बेइज्जती और मारपीट का बदला लेने के लिए चार नाबालिगों ने युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात बाहरी उत्तरी जिले के सिरसपुर स्थित जीवन पार्क इलाके की है। मृतक की पहचान विशाल (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या के मामले में चारों नाबालिगों को पकड़ा है। सभी की उम्र 17 साल है और वे स्कूल छोड़ चुके हैं। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल दो चाकू और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालकर वारदात के 12 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर केस सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक 23 अक्टूबर की रात समयपुर बादली थाने को पीसीआर कॉल मिली थी। इसमें बताया गया कि सिरसपुर के जीवन पार्क में गली नंबर-16 स्थित संडे बाजार चौक के पास चार से पांच हमलावरों ने एक युवक को चाकू मार दिया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां खून के निशान मिले।

स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि विशाल नाम के युवक पर कई लोगों ने हमला किया है। उसे पहले ही डॉ. बीएसए अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। अस्पताल में डॉक्टरों की रिपोर्ट में विशाल के बाएं कूल्हे, छाती के दोनों तरफ और पेट पर चाकू से कई वार किए जाने की पुष्टि हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में दर्ज मामले में संबंधित कानूनी धाराएं बदलकर जांच शुरू की। मामले में आरोपियों की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस के सामने चुनौती थी। जांच टीम ने जीवन पार्क की संकरी गलियों और आसपास के इलाकों में लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में चार लोग वारदात के बाद भागते हुए दिखाई दिए। आरोपियों का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने नहीं आया था, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के साथ स्थानीय लोगों से पूछताछ और खुफिया जानकारी के आधार पर संदिग्धों की पहचान की।

‘मन की बात ’ कार्यक्रम को दिल्ली में भाजपा नेताओं ने 6786 स्थानों पर सुना

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 139वें संस्करण को रविवार को दिल्ली के 6786 विभिन्न बूथों पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित पार्टी नेताओं ने सुना। आज से दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा ने भी सभी 14 संसदनामक जिलों में ‘मन की बात’ युवाओं के बीच सुनने का कार्यक्रम शुरू किया। युवा मोर्चा अध्यक्ष राज शर्मा ने बाहरी दिल्ली जिला युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ ‘मन की बात’ सुनी। दिल्ली भाजपा ‘मन की बात’ कार्यक्रम के संयोजक रमेश शोखंडा ने बताया कि आज दिल्ली के 6786 विभिन्न बूथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सुना गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक मुखरकरण खत्री, जिला अध्यक्ष विनोद सहरावत, निगम पार्षद योगेश राणा सहित अन्य व्यक्तियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ ‘मन की बात’ कार्यक्रम सुना।

गोकुलपुरी स्थित अंबेडकर कॉलेज में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सांसद मनोज तिवारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबोसी मोर्चा अमरपाल मोर्य, दिल्ली प्रदेश ओबोसी मोर्चा अध्यक्ष संतोष पाल, मुख्य प्रवक्ता डॉ. अनिल गुप्ता, कार्यालय मंत्री केलाश जैन, जिला अध्यक्ष मास्टर विनोद,



‘मन की बात’ सह संयोजक मुकेश सूर्यान और कार्यक्रम संयोजक दर्शन सिंह की उपस्थिति में कॉलेज के छात्रों के साथ ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सुना। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज ईस्ट ऑफ कैलाश, ब्लॉक-बी स्थित सोनियर सिटिजंस रिक्रिएशन सेंटर में निगम पार्षद राधापाल सिंह के साथ ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सुना। सांसद बांसुरी स्वराज ने जिला अध्यक्ष वीरेंद्र बब्बर और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ वेस्ट पटेल नगर स्थित गवर्नमेंट सोनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ‘मन की

बात’ कार्यक्रम को सुना। निवर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंडावली मंडल में जिलाध्यक्ष विजेंद्र धामा एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ ‘मन की बात’ सुनी। पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने मालवीय नगर विधानसभा के बूथ 106 पर स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ प्रधान मंत्री के ‘मन की बात’ सुनी। प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, योगिता सिंह एवं मोहनलाल गिहाय ने विभिन्न मंडलों में प्रधान मंत्री के ‘मन की बात’ सुनी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की ‘मन की बात’ केवल संवाद का

कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों की सामूहिक शक्ति, प्रतिभा, प्रश्रम और सेवा भावना को पहचान देने वाला एक अनूठा मंच है। आज ‘मन की बात’ के 139वें संस्करण के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि भारत की वास्तविक शक्ति उसके सामान्य नागरिकों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, वैज्ञानिकों और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी में निहित है। मल्होत्रा ने कहा कि ‘मन की बात’ के 12 वर्ष पूरे होना अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने देश के उन लोगों और पहलों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है, जिनके कार्य सामान्यतः स्थानीय स्तर तक सीमित रह जाते हैं। पंजाब की नव-त्रिंजन पहल से लेकर उत्तराखंड में हेल्व नदी के संरक्षण तक, प्रधानमंत्री ने आज ऐसे अनेक उदाहरण देश के सामने रखे, जो आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी की शक्ति को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि ‘वोकल फॉर लोकल’ का संदेश आज केवल एक नारा नहीं रह गया है। भारत के स्थानीय उत्कृष्ट अन्न वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं। खादी, मिलेट्स, प्राकृतिक खेती और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देकर हम अपने किसानों, कारीगरों, बुनकरों और छोटे उद्यमियों को आर्थिक रूप से मजबूत कर सकते हैं।

सभी सरकारी स्कूलों में मेडिकल सुविधाएं स्थापित करेगी दिल्ली सरकार



शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे
नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी स्कूलों में मेडिकल सुविधाएं स्थापित करेगी। इस पहल का उद्देश्य स्कूल समय के दौरान विद्यार्थियों को तत्काल प्राथमिक उपचार और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप यह योजना स्कूलों को सुरक्षित, समावेशी और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा मंत्री ने रविवार को एक वृत्ति जारी करते हुए बताया कि स्कूलों में स्थापित मेडिकल कक्षों में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की नियुग्नी में घाव की ड्रेसिंग, ओआरएस देना और आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थियों को कुछ समय आराम करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूलों में जांच संबंधी चिकित्सा सेवाएं या डॉक्टर के पर्व पर दी जाने वाली

दवाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्कूल में एक प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, जैसे सहायक नर्स मिडवाइफ या बहुउद्देशीय स्वास्थ्यकर्मी को तैनात किया जाएगा। ये स्वास्थ्यकर्मी विद्यार्थियों की तत्काल स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और किशोरावस्था से जुड़े स्वास्थ्य विषयों में सहायता प्रदान करेंगे। मेडिकल कक्ष में छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित आवश्यकताओं के दौरान सुरक्षित, निजी और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि सभी 1,086 सरकारी स्कूलों को इस योजना के दायरे में लाने के लिए अनुमानित वार्षिक वित्तीय व्यय 48.87 करोड़ होगा। योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले चरण में उन स्कूलों में मेडिकल सुविधाएं स्थापित की जाएंगी, जहां इसके लिए अलग कमरे उपलब्ध हैं। इसके बाद वैकल्पिक कमरों और पोर्टा केबिन के माध्यम से अन्य स्कूलों में भी यह सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। शिक्षा मंत्री बताया कि सरकार की दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित और देखभालपूर्ण वातावरण मिलना चाहिए। जब स्कूल के समय में किसी विद्यार्थी की तबीयत खराब होती है या उसे चोट लगती है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को यह भरोसा होना चाहिए कि स्कूल परिसर में ही तत्काल प्राथमिक उपचार और उचित देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा से मिली, मामले में कार्रवाई का निर्देश



नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा से मुलाकात की और उनके पशु आश्रय (एनिमल शेल्टर) से जुड़े मामले में उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस मामले की अच्छी तरह से जांच करें और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करें। कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि घायल और बेसहारा जानवरों की देखभाल के प्रति उनका समर्पण सम्मान और समर्थन के योग्य है। उल्लेखनीय है कि पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा ने पिछले 2 साल से अपनी बचत और डोनेशन से दिल्ली के निजामपुर गांव में बेसहारा जानवरों के लिए स्थायी शेल्टर/गोशाला बनवा रही थीं। दिल्ली नगर निगम के जेई विकास गुप्ता और पुलिस पर बिना किसी पूर्व नोटिस के जेसीबी लेकर पहुंचे और निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल/शेल्टर तोड़ने का आरोप लगाया। जागृति मिश्रा ने स्थानीय व्यक्तित्व पर रिश्तत मांगने और आम आदमी पार्टी (आआप) पार्षद से संबंध का आरोप भी लगाया। वीडियो वायरल होने के बाद 24 घंटे के अंदर ही जागृति मिश्रा ने फिर वीडियो जारी कर स्पष्ट किया कि इस मामले का आआपा और उसके नेताओं से कोई लेना-देना नहीं है। इस दौरान उसने आआपा विधायक जरनेल सिंह से भी मुलाकात की थी।

डिजिटल अरेस्ट ठगी में दो लोग गिरफ्तार



नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 2.10 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में उत्तरी-पश्चिमी दिल्ली की साइबर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सोनू खान (36) और अर्जुन चौधरी (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की जांच के दौरान एक संदिग्ध बैंक खाते का पता चला। जांच में सामने आया कि 12 अक्टूबर को यमुना विहार स्थित एक बैंक खाते में 98,592 रुपये ट्रांसफर किए गए थे। बैंक लेनदेन की पड़ताल करने पर पता चला कि उसी दिन 49 हजार रुपये निकाल लिए गए, जबकि बाकी रकम चेक के जरिए निकाली गई थी। जांच में इस रकम का संबंध दिल्ली पुलिस की रीसेल सेल की आईएफएसओ यूनित में दर्ज डिजिटल अरेस्ट ठगी के मामले से मिला। जनकपुरी निवासी शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि साइबर ठगों ने उसे डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर करीब 2.10 करोड़ रुपये ठा लिए। मामले की जांच के लिए साइबर थाने की टीम ने तकनीकी निगरानी और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की। इसके बाद पुलिस ने 23 अक्टूबर को सोनू खान को अशोक नगर से पकड़ा। वह वहां डिस्पोजेबल सामान की दुकान चलाता था।

उसके पास से तीन मोबाइल फोन, अलग-अलग बैंकों के छह डेबिट कार्ड और 10 चेकबुक बरामद हुईं। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में सोनू ने अर्जुन चौधरी का नाम बताया। सोनू के मुताबिक, अर्जुन ने दुकान खोलने के लिए आर्थिक मदद की थी। इसके बदले उसने सोनू के बैंक खाते पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से मिली रकम के लेनदेन में किया गया। सोनू से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने शाहदरा के राम नगर निवासी अर्जुन चौधरी (38) को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध रिकॉर्ड में पहले किसी आपराधिक मामले में संलिप्तता नहीं मिली है। फिलहाल जांच इस बात पर केंद्रित है कि बैंक खाते खुलवाने, उन पर नियंत्रण रखने और ठगी की रकम निकालने में दोनों की क्या भूमिका थी। बरामद मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड, चेकबुक और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस ठगी की रकम के लेनदेन की पूरी कड़ी का पता लगाने में जुटी है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत

योगेश कुमार सोनी

देशभर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क भोजनारो ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोमरों की जिंग्री का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। लेकिन इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उठना हो महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारों अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। ज़रूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, सफाई की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की हाथ धोई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। देशभर में स्ट्रीट फूड का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। सड़क किनारे मिलने वाला खाना आम लोगों के लिए सस्ता और आसानी से उपलब्ध विकल्प है लेकिन इसके साथ खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का सवाल भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन दुकानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाली सुरक्षा कड़ी स्थानों पर यह आरोप सामने आते रहे हैं कि सड़क किनारे दुकान लगाने की अनुमति या पुलिस की निगरानी के नाम पर अवैध वसूली होती है। यदि कहीं ऐसा हो रहा है तो इसकी निपटण्डा जांच और जिम्मेदारी तय होना ज़रूरी है। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए।

स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित



मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंधीराम में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगायाना जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या

नियमित जांच वास्तव में की गई थी। स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेके का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तुर हीं और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए।

इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और सड़क पुलिस की जिम्मेदारियाँ स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना नहीं है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांचों के लिए सहज खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहाँ अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहाँ स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की

व्यवस्था भी होनी चाहिए।

समसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी व्यक्ति की जान जाने के बाद कार्रवाई करने के बजाय खाद्य सुरक्षा की नियमित निगरानी पहले से सुनिश्चित की जाए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है ? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अनियमित-अलश शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल दंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुरक्षाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वेंडिंग जॉन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कुड़ेदान, तब नाकियाँ और साफ-सफाई जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएँ। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूर्णतः सुरक्षित लक्षित समाधान न हों हैं। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, रोकथाम और स्वच्छ बनाना ज़्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर एह सिर से विचार करने की जरूरत है। आधिकार प्रावल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाइवें छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका का भी बीच संतुलन कायम किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निमाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निमाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विडम्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, भीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र

योगेश कुमार गोयल

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आह्वाण किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वॉशिंगटन के डब्लूटन ओक्सफर्ड में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्टूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की इतनी शक्तियाँ प्रदान की गई कि वेनाह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात करने सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक राष्ट्र के सदस्य देशों की संख्या पर्यंत अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र का प्रारंभ, संयुक्त राष्ट्र संघ वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रत्व संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निधन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालाँकि विविधता है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रारंगिकता खोने लगी है।

दरअसल जीते 81 वर्षों से अंतराष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मोडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियों इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतान पड़ता है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक



समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर बहस विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहले की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली

अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढाँचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियाँ थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इसरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध चलने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाएँ और अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता को भारी पड़ रही है। भीषण होते हुए इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बँटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस समस्या से बड़ी पंचायत की अब गंभीर आत्ममंथन की जरूरत के साथ-साथ सुधारों की सख्त दरकार है।

विचार

स्त्री की स्वतंत्रता पर बढ़ता बाजार और बदल रही सौंदर्य दृष्टि

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

आज की स्त्री स्वयं को पुरुषवादी व्यवस्था की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए संघर्षरत है। वह अपने अधिकार, स्वतंत्र निर्णय और समताताओं के लिए आवाज उठा रही है। यह संघर्ष निःस्पर्धे समय की आवश्यकता है क्योंकि सदियों से चली आ रही सामाजिक रूढ़ियों ने स्त्री की स्वतंत्रता को सीमित करने का प्रयास किया है लेकिन इस संघर्ष के बीच एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है कि क्या स्वतंत्रता की तलाश में स्त्री अज्ञाने उसी बाजारवादी व्यवस्था के हाथों का खिलौना बनती जा रही है, जिसका वह विरोध करना चाहती है? क्या आधुनिकता के नाम पर उसकी पसंद, पहनावा और सौंदर्यबोध को बाजार की शक्तियाँ नियंत्रित कर रही हैं? यह प्रश्न स्त्री की स्वतंत्रता का विरोध नहीं बल्कि स्वतंत्रता के वास्तविक स्वरूप को समझने का प्रयास है। वर्तमान समय में पहनावों को लेकर समाज में तेजी से बदलाव आया है। वस्त्रों की शैली, उनकी बनावट और शरीर को प्रदर्शित करने के तौर-तरीकों में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन को आधुनिकता, व्यक्तिगत पसंद और आत्मविश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन इसका साथ यह समझना भी जरूरी है कि किसी व्यक्ति की पसंद कितनी स्वतंत्र है और कितनी विज्ञापन, फिल्म, फैशन उद्योग तथा सोशल मीडिया द्वारा निर्मित की गई है। बाजार केवल वस्तुएँ नहीं बेच रहा, वह इच्छाएँ भी पैदा कर रहा है। वह सुंदरता की परिभाषा गढ़ रहा है, आकर्षण के मानक निर्धारण भी कर रहा है और फिर उन्हीं मानकों के अनुरूप बनने के लिए उपभोक्ताओं को प्रेरित कर रहा है। इस प्रक्रिया में स्त्री का शरीर एक बड़े व्यावसायिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर परिधान, फिल्म, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग तक, स्त्री की छवि का इस्तेमाल उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए किया जा रहा है। विडंबना यह है कि स्त्री को अपनी पसंद का अधिकार देने का दावा करने वाला बाजार की बार उसकी पसंद को भी अपने लाभ के अनुसार दिशा दे रहा है, ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्त्री जो पहन रही है, वह उसकी स्वतंत्र अभिव्यक्ति है या उस अभिव्यक्ति पर बाजार के प्रभाव का परिणाम?

पुरुषवादी व्यवस्था हमेशा स्त्री पर प्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाकर ही काम नहीं करती। स्त्री बावह आकर्षण, प्रशंसा और सामाजिक स्वीकृति के माध्यम से भी अपने मानदंडों को स्थापित करती है। पहले स्त्री से अपेक्षा की जाती थी कि वह समाज की निर्धारित मर्यादाओं के अनुरूप रहे। आज कुछ क्षेत्रों में उसके सामने एक दूसरी अपेक्षा खड़ी कर दी गई है- वह आधुनिक दिखे, आकर्षक लगे, अपनी देह को प्रदर्शित करने से संकोच नहीं करे और प्रचलित सौंदर्य मानकों पर खरी उतरे, यहां विरोधाभास दिखाई देता है। जिस स्त्री को पहले उसके शरीर को ढँकने के लिए सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता था, वही स्त्री आज कुछ परिस्थितियों में शरीर को अधिक प्रदर्शित करने के लिए सामाजिक और व्यावसायिक दबाव झेल रही है। दोनों स्थितियों में समस्या वस्त्रों की लंबाई या बावत मात्र नहीं बल्कि स्त्री के निर्णय पर किसी दूसरे की अपेक्षाओं का प्रभाव है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या स्त्री को अपनी पसंद चुनने की स्वतंत्रता है या उसे किसी खास तरह से दिखने के लिए विवश किया जा रहा है? एक समय सुंदरता का मूल्यांकन चेहरे की सहजता, व्यक्तित्व, व्यवहार, संवेदनशीलता और विचारों की परिपक्वता से किया जाता था। आज भी ये गुण महत्वपूर्ण हैं लेकिन लोकप्रिय संस्कृति को कुछ हिस्सों में शारीरिक आकर्षण को असाधारण महत्व मिलने लगा है। आकर्षक दिखने की प्रतिसपर्धा, सोशल मीडिया पर प्रशंसा की आकांक्षा और लोकप्रियता की दौड़ ने इस प्रवृत्ति को और बल दिया है। फैशन उद्योग और मोरारज जगत में स्त्री की देह को आकर्षण का माध्यम बनाना कोई नई बात नहीं है। अंतर यह है कि अब डिजिटल मंचों के कारण यह प्रक्रिया अधिक व्यापक और रंजित हो गई है। वस्त्र किसी व्यक्ति की संपूर्ण संस्कृति, नैतिकता या चरित्र का प्रमाण नहीं होते। शालीनता का निर्धारण केवल कपड़ों की लंबाई से नहीं किया जा सकता, न ही आधुनिक प्रत्येक व्यक्ति के संस्कारहीन होने का प्रमाण है। इसी प्रकार परंपरिक वेशभूषा पहनने वाला प्रत्येक व्यक्ति नैतिक रूप से श्रेष्ठ हो, यह भी आवश्यक नहीं है। इसलिए चिंता का विषय यह नहीं होना चाहिए कि स्त्री क्या पहन रही है बल्कि यह होना चाहिए कि समाज उसके पहनावे को किस दृष्टि से देखता है और बाजार उसकी छवि का किस प्रकार उपयोग करता है। यदि किसी विज्ञापन में स्त्री को केवल उपभोग की वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रस्तुति की आलोचना आवश्यक है। लेकिन उसी आधार पर स्त्री के निजी निर्णयों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करना भी स्वतंत्रता के रिद्धांत के विरुद्ध होगा। भारतीय समाज आज परंपरा और आधुनिकता के बीच संवाद के दौर से गुजर रहा है। एक ओर परिवार, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व की अपेक्षाएं हैं तो दूसरी ओर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और आत्मनिर्णय की आकांक्षाएं।

एक नजर

छपरा में भरत मिलाप शोभायात्रा सम्पन्न



सारण, एर्सेसी। शहर में श्रीभरत मिलाप समारोह समिति की ओर से एक शोभा यात्रा निकाली गई, जो शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए रात्रि तीन बजे साहेबगंज स्थित भरत मिलाप चौक पर संपन्न हुई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ महाराजगंज सांसद जगदानंद सिंह मसीग्रवाल, छपरा विधायक छोट्टी कुमारी और महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने साहेबगंज भरत मिलाप चौक पर पूजा-अर्चना, दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ किया। प्रस्थान से पूर्व अतिथियों का स्वागत हुआ। उद्घाटन के पश्चात सभी अतिथियों काठिया बाबा मंदिर पहुँचे, जहाँ से शोभा यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ। यह यात्रा सोनारपट्टी सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए समारोह स्थल पर पहुँची। इस दौरान भगवान राम और भरत का अद्भुत मिलन तथा भावुक संवाद संपन्न हुआ, जिसे देखकर सभी भावविभोर हो उठे। यात्रा के दौरान उत्साहित युवाओं द्वारा प्रारंभिक युद्ध कौशल का शानदार प्रदर्शन किया गया। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शहर के सभी चौक-चौराहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शोभा यात्रा के आगे और पीछे पुलिस पदाधिकारी तथा मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्ति थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघ चालक विजय सिंह, विभाग व्यवस्था प्रमुख ओम प्रकाश गुप्ता, विभाग प्रचार प्रमुख अवध किशोर सिंह, जिला संघ चालक पुरुषोत्तम मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह सहित विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रमुख कार्यकर्ता एवं हजारों राम भक्त उपस्थित रहे।

अफवाहों से सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का

आरोप, पूर्व मुखिया सुनील मंडल गिरफ्तार

अररिया। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और कारोबार को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सिमराहा पुलिस ने औराही के पूर्व मुखिया सुनील मंडल को गिरफ्तार किया है। सिमराहा थाना कांड संख्या 331/26 के नामवन्द आरोपी सुनील मंडल, पिता पुष्पावन्द मंडल, वहां संख्या 10 निवासी को बीती रात पूर्णिया से लौटने के क्रम में अररिया से पकड़ा गया। मामले में मेसर्स अल समीर एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., मेसर्स मरहबा फ़ौजन फूड्स और मेसर्स जकफ़िया एग्रो प्रा. लि. की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। तीनों इकाइयों सिमराहा थाना क्षेत्र के गोंगो पोठिया गांव में स्थित हैं। शिकायत के अनुसार, इन फैक्ट्री के संबंध में सोशल मीडिया और आपसपास के इलाकों में भ्रामक प्रचार किया जा रहा था। आरोप है कि परिसर में पशुओं के अवैध बध और अन्य गतिविधियों को लेकर अफवाहों फैलाकर लोगों को बीच भ्रम पैदा किया गया। शिकायतकर्ताओं ने इसे सामाजिक और सांस्कृतिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ-साथ वैध कारोबार तथा मानव जीवन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश बताया है। ऐसे मामलों में अफवाहों के बजाय तथ्यों पर भरोसा करना और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचना जरूरी है। इससे समाज में आपसी विश्वास और शांति बनाए रखने में मदद मिलती है। गिरफ्तार सुनील मंडल पूर्व में औराही पंचायत के मुखिया रह चुके हैं, वर्तमान में औराही पश्चिम के पैस अध्यक्ष हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

612 ग्राम स्मैक के साथ पश्चिम

बंगाल का तस्कर गिरफ्तार

अरिया। फारबिसगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्वाही करते हुए अपाचे बाइक पर सवार पश्चिम बंगाल के एक तस्कर को 612 घंटा स्मैक के साथ गिरफ्तार किया, जबकि बाइक पर पीछे बैठा तस्कर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस ने स्मैक के साथ अपाचे बाइक को जब्त करते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी रविवार को फारबिसगंज एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने फारबिसगंज थाना में दी। फारबिसगंज एसडीपीओ राजकिशोर ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल नंबर के अपाचे बाइक संख्या डब्ल्यूबी6एम/3179 से स्मैक का खेप पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन से फारबिसगंज की ओर लाया जा रहा है। सूचना पर फारबिसगंज थाना पुलिस के द्वारा रामपुर ओवरब्रिज के पास थानाध्यक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में वाहन चेकिंग शुरू किया गया इसी क्रम में 12 बजकर 10 मिनट में अपाचे मोटरसाइकिल आता हुआ दिखाई दिया पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग किए जाने को देखकर तस्कर बाइक मोड़कर भागे



का प्रयास किया। जिस पर पुलिस ने खदेड़कर बाइक सवार तस्कर को पकड़ लिया जबकि उसके पीछे बैठा सवार चकमा देकर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। एनडीपीएस एक्ट के एसओपी का पालन करते हुए जब पुलिस ने बाइक सवार युवक के पीछे लटके बैग को तलाशी ली तो उनके पास से कुल 612 ग्राम स्मैक बरामद हुआ जिसके बाद पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार किया और थाना लेकर आई पुलिस ने बाइक और स्मैक जब्त किया। गिरफ्तार तस्कर पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन जिला के मुथाबाड़ी थाना क्षेत्र के वापड़ा मीरपाड़ा का रहने वाला मीर सलाम पिता मीर रीमू अली है। जबकि फरार हुआ साथी भी पश्चिम बंगाल मालदा टाउन जिला के मुथाबाड़ी थाना क्षेत्र के फलिया गाँव का रहने वाला गोरारि गिरफ्तार तस्कर ने बताया कि वह स्मैक का खेप रामपुर दक्षिण वार्ड संख्या 4 के रहने वाले मो. समीर पिता मो. चुनू और जोंगबनी के तकियाबाड़ी वार्ड संख्या 3 के रहने वाले अमर पिता अशोक साह को डिलीवरी करने वाला था इससे पूर्व भी दोनों को कई बार स्मैक का खेप देने की बात उन्होंने स्वीकार किया। मामले को लेकर फारबिसगंज थाना में कांड संख्या 693/26 दिनांक 24.10.2026 धारा 8(सी)21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। छापे मारी दल में फारबिसगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार, सब इंस्पेक्टर प्रभा कुमार, अमित रात, सिपाही अनिंद नंद ओझा, गृहक्षक के जवान वहीर कुमार सिंह शामिल थे एसडीपीओ ने मामले में अन्य आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी करने की बात कही।

जनभागीदारी, नवाचार और आधुनिक तकनीक से विकसित भारत का सपना होगा साकार: संजय सरावगी



प्रधानमंत्री का यह संदेश बिहार के कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में कड़ा सहयोग देने वाला है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दीपावली और महापर्व छठ सहित आगामी त्योहारों के संदर्भ में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया है। छठ बिहार की आस्था, लोकपरंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान का महापर्व है। ऐसे में घाटों, तालाबों, नदियों और आपसप के क्षेत्रों को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को केवल त्योहारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। जल स्रोतों की रक्षा और अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने

दीपावली पर स्थानीय कारिगरों और छोटे उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की है। 'वोकल फॉर लोकल' की भावना देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देती है। उन्होंने लोगों से स्थानीय उत्पादों को अपनाने और स्वदेशी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 'मन की बात' में अंगदान के प्रथम जागरूकता, ई-संजीवनी, विज्ञान एवं अनुसंधान, ब्रेन रिसर्च, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर चर्चा समाज को नई दिशा देती है। इन क्षेत्रों में जागरूकता और जनभागीदारी से देश को विकास यात्रा को नई गति मिल सकती है।

महानंदा की लहरों से जूझकर रोजी-रोटी जुटाती हैं दुल्ली देवी, अधूरा पुल बना ग्रामीणों की मुसीबत

किशनगंज, एजेन्सी। गरीबी की मार और

तक मजबूर कर सकता है, इसकी मार्मिक शीघ्र ठाकुरराज प्रखंड के भंकराद्वारी गांव में होने को मिलती है। यहां की दुल्लरी देवी अपने पर सदस्यीय परिवार का पैट पालने के लिए हर रोज न जान जोखिम में डालकर महानंद नदी पर रहती हैं। सिर पर लकड़ियों का भारी गद्दर उठाए शीघ्र 700 मीटर चौड़ी नदी के गहरे पानी से तैरकर उनको मजबूरी बन गई है। परिवार के लिए दो वक्त की रौंदी जुताने की जद्दोजहद में उनकी ज़िंदगी रोज खरब से गुजरती है। रोजगार कोई दूसरा साधन नहीं होने के कारण दुल्लरी भी पोठिया प्रखंड की ओर नदी किनारे से निकड़ियां, घास और बांस इकट्ठा करती हैं। कड़े बाद ईन्हें सिर पर लादकर नदी पर कर देने वाले लौटती हैं। नदी की गहराई और तेज प्रवाह के बीच यह सफर कितना जोखिम भरा है, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। वन से पूछा जाता है कि गहरे पानी में उतरते वनस्पत डर नहीं लगता, तो उनकी मजबूरी भरी तक्रिया दिल को झकझोर देती है।

उनका कहना है कि अगर डकर पर बैठ
एंगी, तो बच्चों का पेट कैसे भरेगा और घर
भात कैसे पकेगा। भंकरद्वारा गांव के पास
गंडान नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों को
सव्वाणम में भारी पेशाबी उड़ानी पड़ती है।
सव्वाणम शहर और एमजीएम मेडिकल कॉलेज
पहुंचने के लिए ग्रामीणों को ठाकुरगंज या
आखाली की ओर से लंबा रास्ता तय करना
पड़ता है। इस कारण जिला मुख्यालय पहुंचने में



करीब 70 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से यह दूरी घटकर लगभग 15 किलोमीटर रह सकती है। ग्रामीणों को राहत देने के उद्देश्य से करीब तीन साल पहले महानंद नदी पर पुल निर्माण कार्य शुरू हुआ था, लेकिन कुछ समय बाद ही काम ठप पड़ गया। पुल अधूरा रहने से लोगों को आज भी सुरक्षित आवागमन की सुविधा नहीं

मिल सकी है। टुल्लू देवी का संघर्ष केवल गरीबी की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी का भी उदाहरण है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन और संबंधित विभाग जल्द निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराएंगे, ताकि लोगों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करने और लंबी दूरी तय करने की मजबूरी से मुक्ति मिल सके।

किशनगंज में शराब तस्करी का भंडाफोड़ 438

लीटर विदेशी शराब के साथ तरकर गिरफ्तार

विश्रामगंज। जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पाठमारी थाना पुलिस ने ब कार्रवाई करते हुए 438.03 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब ल एक पिकअप को जब्त करते हुए चालक गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पठमार्ग मधेपुरा जिले के मधेपुरा थाना अंतर्गत बखरी गांव निवासी दीप नारायण यादव के पुत्र ज्योतिष कुमार के रूप में है। पुलिस अब शराब की खेप के स्रोत इसके नेटवर्क से जुड़े लोगों का पता लग में जुटी है। रविवार को पुलिस की ओर जारी प्रेस बतोंश के अनुसार, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निदेशन में अशराब और मादक पदार्थों की तस्करी विरुद्ध लगातार वाहन जांच अभियान चला जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को सूचना के आधार पर पाठमारी थाना क्षेत्र अमलझाड़ी पेट्रोल पंप के समीप वाहनों जांच की जा रही थी।

इसी दौरान ठाकुरगंज की ओर से रही पिक अप संख्या ४३३०९३६ चालक ने पुलिस बल को देखकर भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर पुलिस ने वाहनों को रोककर तलाशी ली, जिसमें कुल ४३८.०३ लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जब्त किया। साथ एक मोबाइल फोन भी जफत किया। मामले में पाठमारी थाना कांड संख्या ४४/२०२६, दिनांक २५ अक्टूबर २०२६ तहत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्प्रेषण अधिनियम, २०२२ की धारा ३०(ए) प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस गिरफ्तारी



आरोपी से पूछताछ कर रही है। शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहाँ पहुँचाया जाना था, इसका पता लगाने के लिए फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, कारोबार में शामिल अन्य लोगों को पहचान कर उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति का पता चलने पर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई भी की जा सकती है। छापेमारी दल में ठाकुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षणक पंकज कुमार पंथ, पाठामारी के प्रभारी श्यामाश्रद्ध अनील कुमार शर्मा सहित पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने कहा कि नयाप्राप्त किशनगंज के उद्देश्य से अवैध शराब के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

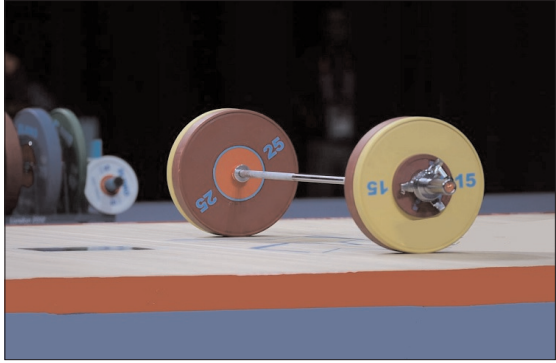
एक नजर

एसीडीसीसी और एंकोर्ड इलेवन ने दर्ज की जीत

प्रयागराज,एजेंसी। सीसीटीवी कप प्रयागराज-2026 क्रिकेट प्रतियोगिता में एसीडीसीसी और एंकोर्ड इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। एसीडीसीसी ने आईबीसीसी सीपी प्लस इलेवन को पांच विकेट से हराया, जबकि एंकोर्ड इलेवन ने ईवीटीईक्यू इलेवन को तीन विकेट से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में मोहम्मद दाऊद ने 111 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दौलत हुसैन क्रिकेट मैदान पर खेले गए पहले मुकाबले में आईबीसीसी सीपी प्लस इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 151 रन बनाए। मोहम्मद यासीन ने 39 और नावेद ने 36 रन का योगदान दिया, जबकि जानू ने 16 रन बनाए। एसीडीसीसी की ओर से पीके पाटक ने चार विकेट लेकर प्रभावशाली गेंदबाजी की। अवनीश ने दो विकेट झटके, जबकि विभूति नारायण, इरफान सिद्दीकी और तौहोद अहमद को एक-एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसीडीसीसी ने 13 ओवर में पांच विकेट पर 154 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। शिशिर ने 32, बृजेश ने नाबाद 30 और साजिद खान ने 28 रन बनाए। विभूति नारायण ने 16 रन का योगदान दिया। आईबीसीसी सीपी प्लस इलेवन की ओर से मोहम्मद आरिफ, फराज अहमद, मोहम्मद यासीन, नावेद और जानू ने एक-एक विकेट लिया। दूसरे मुकाबले में ईवीटीईक्यू इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए। पप्पू ने 49, यासिर अली ने 39, अरहम सिद्दीकी ने नाबाद 33 और अजमान खान ने 25 रन बनाए। एंकोर्ड इलेवन की ओर से मोहम्मद दाऊद, आदित्य सिंह और कृष्णा यादव ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में एंकोर्ड इलेवन ने 15.5 ओवर में सात विकेट पर 188 रन बनाकर तीन विकेट से जीत हासिल की। मोहम्मद दाऊद ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 111 रन बनाए, जबकि अजेंद्र सिंह पटेल ने 38 और प्रखर ने 22 रन का योगदान दिया। ईवीटीईक्यू इलेवन की ओर से यासिर अली, मुबर्हल्लग आमिर, अरहम सिद्दीकी और मोहम्मद मुअज्जम ने एक-एक विकेट लिया।

रुस को 2030 विश्व भारोतोलन चैंपियनशिप की मेजबानी



पेरिस,एजेंसी। रूस को अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर बड़ी कामयाबी मिली है। अंतरराष्ट्रीय भारोतोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने मॉस्को को वर्ष 2030 में होने वाली विश्व भारोतोलन चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी है। 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यह पहला मौका है, जब किसी ओलंपिक खेल के अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने रूस को विश्व स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करने का अधिकार दिया है। आईडब्ल्यूएफ ने अपने बयान में कहा कि वर्ष 2029 की सीनियर विश्व भारोतोलन चैंपियनशिप भारत के अहमदाबाद में आयोजित होगी, जबकि 2030 के संस्करण की मेजबानी मॉस्को करेगा। महासंघ के महासचिव जोस विनोनेस ने कहा कि मेजबानी के लिए प्राप्त सभी प्रस्ताव उत्कृष्ट थे और उन्हें विश्वास है कि संबंधित देशों में प्रतियोगिताएं सफल रहेंगी। रूसी भारोतोलन महासंघ के अध्यक्ष अलेक्जेंडर विनोकुरोव ने मेजबानी के लिए आईडब्ल्यूएफ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रूस के पास उच्चस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन का पर्याप्त अनुभव और क्षमता है। उनके मुताबिक, मॉस्को पहले भी कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी कर चुका है और वहां आधुनिक खेल सुविधाएं मौजूद हैं। रूसी महासंघ ने इस फैसले को देश के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उसके अनुसार, कई वर्षों बाद किसी ओलंपिक खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था से रूस को शीर्ष स्तर की आधिकारिक प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। वर्ष 2030 की चैंपियनशिप 2032 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालिफाईंग प्रतियोगिता भी होगी।

अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान और यूपी पुलिस का शानदार प्रदर्शन



रांची। झारखंड पुलिस की ओर से रांची के खेलगांव में आयोजित 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 के व्यक्तिगत एलिमिनेशन राउंड में रविवार को छह वर्गों के पदक विजेताओं की घोषणा की गई। रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड के पुरुष एवं महिला वर्गों में विभिन्न पुलिस बलों के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। रिकर्व महिला वर्ग में राजस्थान पुलिस की अमनदीप कौर ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तर प्रदेश पुलिस की सुमन चौधरी ने रजत, जबकि आईटीबीपी की सोनाली बसुमतारी ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, रिकर्व पुरुष वर्ग में असम राइफल के अकोइजाम अमरजीत ने स्वर्ण पदक जीता। सीआईएसएफ के दिव्यांश चौधरी को रजत और आईटीबीपी के नीराज को कांस्य पदक मिला। कंपाउंड महिला वर्ग में असम राइफल की समैना बसुमतारी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सीआईएसएफ की आर्कांक्षा ने रजत और बीएसएफ की मैनाव नारजरी ने कांस्य पदक जीता। इसी स्पर्धा के पुरुष वर्ग में राजस्थान पुलिस के रजत चौहान ने स्वर्ण पदक हासिल किया। उत्तर प्रदेश पुलिस के हर्ष बालियान ने रजत, जबकि सीआरपीएफ के भगवान दास ने कांस्य पदक जीता। इंडियन राउंड महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश पुलिस की नमिता वर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर बाजी मारी। एसएसबी की पुष्पा ने रजत और उत्तर प्रदेश पुलिस की दीपिका पांडेय ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में आईटीबीपी के गौरव संजय राव चांदने ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

हरमनप्रीत और दीप्ति के शतक, वैष्णवी की फिरकी से भारत ने जिम्बाब्वे को रौंदा

वडोदरा,एजेंसी। हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा के शानदार शतकों के बाद वैष्णवी शर्मा की घातक गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे वनडे में जिम्बाब्वे को 121 रन से हरा दिया। रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 328 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 48.5 ओवर में 207 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत की ओर से पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 121 गेंदों में 15 चौकों की मदद से 126 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 86 गेंदों पर 15 चौकों के सहारे 106 रन बनाए। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 137 गेंदों में 153 रन की साझेदारी हुई, जिसने भारतीय पारी को मजबूती दी और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। भारतीय टीम की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही। महज 19 रन पर दो विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई थी। इसके बाद हरमनप्रीत ने सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के साथ तीसरे विकेट के लिए 124 रन जोड़कर पारी को संभाला। प्रतिका ने 67 गेंदों में 61 रन बनाए। शुरुआती झटकों से उबरने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने रन गति बढ़ाई और स्कोर 300 के पार पहुंचा दिया। 329 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने शुरुआती 10 ओवर में एक विकेट खोकर 47 रन बना लिए थे। हालांकि, इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर विपक्षी टीम को दबाव में ला दिया। जिम्बाब्वे की ओर से सलामी बल्लेबाज



मोडेस्टर मुपाचिकवा ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। टीम के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके, जबकि तीन खिलाड़ी खाता

खोले बिना आउट हो गई। भारत के लिए वैष्णवी शर्मा ने सबसे अधिक चार विकेट झटके और जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी को समेटने में अहम भूमिका निभाई।

एमआईसी ए को मिली जीत, रेलगांव और जैदी इंडोर क्लब ए का मैच टाई

प्रयागराज। सैयद असद कासिम अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में एमआईसी ए ने जैदी इंडोर क्लब बी को 23 रन से हराकर जीत दर्ज की। वहीं, रेलगांव क्लब और जैदी इंडोर क्लब ए के बीच खेला गया मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों ने निर्धारित प्रदर्शन के बाद 131-131 रन बनाए। प्रतियोगिता के अगले चरण में मंगलवार को दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए पहले मैच में एमआईसी ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 164 रन बनाए। सूरज चौहान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाए, जबकि अंश सिंह ने 24 रन का योगदान दिया। जैदी इंडोर क्लब बी की ओर से अर्श अहमद ने दो विकेट लिए। पवन, शिवांश मिश्रा और शुभ सोनी को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जैदी इंडोर क्लब बी की टीम निर्धारित प्रदर्शन में छह विकेट पर 141 रन ही बना सकी। वीर प्रताप ने नाबाद 73 रन की पारी खेली, जबकि दिव्यांश सिंह ने 25 और अर्श अहमद ने 14 रन बनाए। एमआईसी ए की ओर से नितीश कुमार ने दो विकेट 27 रन देकर और अल्टमस ने दो विकेट 31 रन देकर

हासिल किए। शानदार बल्लेबाजी के लिए सूरज चौहान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें आयोजन सचिव एवं पूर्व क्रिकेटर शमशाद अहमद ने पुरस्कार प्रदान किया। दूसरे मैच में रेलगांव क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 131 रन बनाए। शादान अब्बास रिजवी ने 59 रन की पारी खेली, जबकि हर्षित जी सहाय ने 45 और जय वर्धन सिंह ने नाबाद 20 रन बनाए। जैदी इंडोर क्लब ए की ओर से हर्षित तिवारी ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जैदी इंडोर क्लब ए की टीम भी सात विकेट पर 131 रन ही बना सकी। हर्षित तिवारी और हर्ष राज सिंह ने 43-43 रन बनाए, जबकि देवांश कुमार स्वप्निल ने 24 रन का योगदान दिया। रेलगांव क्लब की ओर से श्लोक चतुर्वेदी ने दो विकेट तीन रन देकर और मोहम्मद अकदस अली ने दो विकेट 13 रन देकर हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के लिए हर्षित तिवारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। प्रतियोगिता के अगले चरण में मंगलवार को पहला सेमीफाइनल एमआईसी ए और जैदी इंडोर क्लब ए के बीच सुबह 8:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल रेलगांव क्लब और सावित्री देवी क्लब के बीच दोपहर 12:30 बजे से होगा।

खिलाड़ी से मुख्य कोच तक का सफर, मुंबई इंडियंस के साथ पुरानी यादें ताजा करके भावुक हुए पोलार्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने कीरोन पोलार्ड को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। लंबे समय तक मुंबई के लिए खिलाड़ी के तौर पर अहम भूमिका निभाने वाले पोलार्ड अब कोच के रूप में टीम की कमान संभालेंगे। इस नई जिम्मेदारी के बीच उन्होंने 2009 में चैंपियंस लीग टी-20 से शुरू हुए अपने सफर को याद किया। मुंबई इंडियंस की ओर से रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में पोलार्ड ने कहा कि एक खिलाड़ी के तौर पर हासिल की गई उपलब्धियों को याद करना भावुक कर देने वाला अनुभव है और अब मुख्य कोच के रूप में उसी टीम की जिम्मेदारी संभालना उनके लिए खास एहसास है।

वीडियो में पोलार्ड ने कहा कि 2009 में चैंपियंस लीग टी-20 से शुरू हुआ उनका सफर अब मुख्य कोच की भूमिका तक पहुंच गया है। पीछे मुड़कर देखने पर एक खिलाड़ी के तौर पर हासिल की गई उपलब्धियों को याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक इंसान के तौर पर हम कई बार उन पलों को याद नहीं कर पाते और जब उन पर नजर डालते हैं, तो लगता है कि सब कुछ किसी धुंधली याद की तरह है। जब इन पलों को दोबारा देखते हैं, तो कई भावुक यादें ताजा हो जाती हैं। पोलार्ड ने खिलाड़ी के तौर पर अपने सफर को अच्छी तरह निभाई गई जिम्मेदारी



बताया और उम्मीद जताई कि मुख्य कोच के रूप में भी वह इसी तरह काम जारी रखेंगे। मुंबई इंडियंस ने पोलार्ड को मुख्य कोच की जिम्मेदारी सौंपी है। वह माहेला जयवर्धने की जगह यह भूमिका निभाएंगे। लगता है कि सब कुछ किसी धुंधली याद की तरह है। जब इन पलों को दोबारा देखते हैं, तो कई भावुक यादें ताजा हो जाती हैं। पोलार्ड ने खिलाड़ी के तौर पर अपने सफर को अच्छी तरह निभाई गई जिम्मेदारी

आईपीएल में 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से खेले। इस दौरान उन्होंने 189 मैचों में 3,412 रन बनाए और 69 विकेट अपने नाम किए। 2022 सीजन के बाद पोलार्ड ने आईपीएल से संन्यास ले लिया था और मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच की भूमिका संभाली थी। अब मुख्य कोच के तौर पर उनकी नियुक्ति फ्रेंचाइजी के साथ उनके लंबे जुड़ाव में एक नया अध्याय है।

फ्रेंच ओपन के फाइनल में हारें पीवी सिंधु, एन से-यंग ने जीता खिताब



पेरिस। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने से चूक गईं। उन्हें रविवार को खेले गए महिला एकल के फाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी एन से-यंग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-16, 11-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एरिना ग्रैंड पेरिस में खेले गए।

रणजी ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ भी नहीं खेल पाएंगे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर

मुंबई,एजेंसी। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर चोट के कारण हरियाणा के खिलाफ मुंबई के तीसरे दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबले में भी नहीं खेल पाएंगे। मुंबई और हरियाणा के बीच यह मुकाबला सोमवार से मुंबई के बीकेसी कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा। चोट के चलते ठाकुर पहले दो दौर के मुकाबलों से भी बाहर रहे थे। क्रिकइन्फो के अनुसार मुंबई की टीम में इस मुकाबले के लिए कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीम ने पिछले दौर में बिलासपुर में हिमाचल प्रदेश को बोनस अंक के साथ हराया था। उसी टीम को हरियाणा के खिलाफ भी बरकरार रखा गया है। ठाकुर को रणजी ट्रॉफी के पहले दौर का मुकाबला शुरू होने से पहले अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में चोट लगी थी। जांच में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उन्हें कम से कम पहले दो दौर के मुकाबलों से बाहर रहना था।

मुंबई की टीम को उम्मीद थी कि ठाकुर तीसरे मुकाबले तक फिट हो जाएंगे, लेकिन वह अभी मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। हालांकि, वह मुंबई की टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं। शनिवार शाम को वह सूर्यकुमार यादव के साथ मुंबई में मेजर लीग बेसबॉल के एक कार्यक्रम में भी मौजूद थे। मुंबई को आगे भी उपलब्ध खिलाड़ियों को संयोजन के साथ मैदान पर उतरना होगा। टीम के नए उपकप्तान आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल न्यूजीलैंड में मौजूद हैं, जहां वह मौजूदा 'ए' सीरीज के बाद टेस्ट



मैचों में खेलेंगे। दूसरे दौर के मुकाबले से पहले सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी और ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में अतिरिक्त

खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया था। मुंबई की टीम फिलहाल एलीट ग्रुप डी में 14 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है।

कोच गंभीर से किया वादा, फिर क्रीज पर दिखाया धैर्य, तिलक वर्मा ने ऐसे दिलाई भारत को जीत

नई दिल्ली,एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत की बल्लेबाजी की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि धीमी पिच, बड़े मैदान और तेज बाउंसर के बीच छक्के लगाना आसान नहीं था, इसलिए उन्होंने बड़े शॉट खेलने के बजाय संयम बरतने और मैच को आखिरी तक ले जाने पर ध्यान दिया। तिलक ने कहा कि उन्होंने कोच गौतम गंभीर और सितांशु कोटक से पारी को गहराई तक ले जाने का वादा किया था, जिसे निभाते हुए उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मिलकर भारत को एक गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में तिलक वर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि विकेट काफी चुनौतीपूर्ण था। खासकर अगर आप देखें - बड़ा मैदान, धीमी पिच और जब वे बाउंसर डाल रहे थे, तो गेंद काफी तेजी से आ रही थी। ऐसे में जब चाहें तब छक्का लगाना आसान नहीं था। पहले मैच में छक्के लगाना आसान था, लेकिन इस मैच में परिस्थितियां काफी मुश्किल थीं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे समय में यह देखना जरूरी था कि हम किस तरह समझदारी से खेलते हैं। तिलक के मुताबिक हम खेल में अपनी फिटनेस लेवल और अपनी मेहनत दिखाना चाहते थे। हमने एक-एक, दो-दो रन के लिए कड़ी मेहनत की और जब भी मौका मिला, हमने छक्के भी लगाए। तिलक वर्मा ने खुलासा किया कि जब नमन धीर बल्लेबाजी कर रहे थे, तब उनका

मन भी बड़े शॉट खेलने का कर रहा था। हालांकि, उन्होंने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से वादा किया था कि मैच को अंत तक ले जाने की कोशिश करूंगा। तिलक ने कहा कि पिछले मैच में उनका रवैया थोड़ा रक्षात्मक था और वह शुरुआत में सिंगल लेकर पारी को आगे बढ़ाना चाहते थे। इस मैच में भी जब नमन हिट कर रहा था, तब मैंने संभलकर खेला। मैं स्पिनरों के खिलाफ बाउंड्री लगाना चाहता था, लेकिन मैंने संयम बरता और मैच को गहराई तक ले जाने का फैसला किया। इसके बाद जो हुआ, वह भगवान की योजना थी। ' नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मैच जिताऊ साझेदारी करने से पहले तिलक वर्मा ने नमन धीर के साथ भी अहम साझेदारी की थी, जिसमें नमन धीर ने 17 गेंदों पर 31 रनों का योगदान दिया था। नीतीश कुमार रेड्डी ने भी तिलक वर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिंगल लेते-लेते रन दौड़ने में माहिर हैं और दोनों के बीच तालमेल काफी अच्छा है। नीतीश के मुताबिक, जब नमन धीर आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, तब तिलक ने अनावश्यक जोखिम लेने से बचते हुए उन्हें स्ट्राइक देने पर ध्यान दिया। नीतीश ने कहा कि मुझे तिलक के साथ बल्लेबाजी करके काफी अच्छा लगा। वह तेजी से रन दौड़ते हैं और मैं भी तेज दौड़ता हूं। हमने साथ बल्लेबाजी का खूब आनंद लिया। मैं तिलक की एक बात की खास तौर पर तारीफ करना चाहता हूं। जब नमन धीर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और तेजी से रन बना रहे थे, तब तिलक ने जोखिम नहीं लिया और उन्हें सिंगल देकर स्ट्राइक दी।

अंतरराष्ट्रीय

एक नजर

रुस के बेलगोरोड क्षेत्र में दो ड्रोन हमले, चार लोगों की मौत

माँस्को, एजेंसी। रूस के सीमावर्ती बेलगोरोड क्षेत्र में रविवार को हुए दो अलग-अलग झोले हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने इन हमलों के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारियों के मुताबिक, बेलगोरोड शहर पर रात में हुए झोले हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हुए। घायलों में से एक व्यक्ति ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। बेलगोरोड के महापौर व्लादिमिर डेमिडोव ने सरकारी समर्थन वाले मैसैजिंग प्लेटफॉर्म वॉक्स पर लिखा कि रात के हमले में घायल एक अन्य व्यक्ति को अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने इस घटना को शहर के सभी निवासियों के लिए बड़ी त्रासदी बताया।

क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर शुवायेव को अनुसार, हमले में बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा। करीब 30 अपार्टमेंट इमारतें, 35 कारें, चार मकान, तीन प्रशासनिक भवन, आठ व्यावसायिक प्रतिष्ठान और तीन सामाजिक सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुईं। रिवियर सुबह एक अन्य घटना में शेबेकिनो शहर के पास स्थित वोल्सेंसोन्का गांव में एक कार को ड्रोने ने निशाना बनाया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

झीन हमलों में स्टारलैंक के इस्तेमाल पर मस्क के दावे को यूक्रेन ने नकारा

कीव, एजेसी। यूक्रेन ने स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने यूक्रेनी सेना पर नागरिक उपग्रह इंटरनेट नेटवर्क स्टारलिनक की सेवा शर्तों का उल्लंघन कर आक्रामकता डोइन करियों का कहना है कि देश में स्टारलिनक के संचालन पर लंबे समय से लागू प्रतिबंधों के कारण इस तरह इसका इस्तेमाल संभव नहीं है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के रक्षा प्रौद्योगिकी सलाहकार सेरेही बेस्करेस्तनोव ने ऑनलाइन पोस्ट में कहा कि मस्क को यूक्रेन में स्टारलिनक के संचालन पर लागू पाबंदियों की जानकारी होनी चाहिए। थी। उन्होंने मस्क के दावे पर हेराली जताई। रूस के साथ जारी युद्ध में स्पेसएक्स की स्टारलिनक और सैन्य उपयोग के लिए विकसित स्टारशिल्ड सेवाएं यूक्रेन की संचार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण रही हैं। हाल में स्टारशिल्ड सेवा पर लगाई गई गति संबंधी सीमाओं के कारण यूक्रेनी ड्रोन की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई थी। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इससे वायु रक्षा अभियानों और सैन्य मिशनों में भी बाधा आई। शनिवार को सेवा बहाल होने की जानकारी दी गई। स्टारशिल्ड पर प्रतिबंधों के बाद यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों ने ड्रोन खोने और अभियान बाधित होने की शिकायत की थी। इस घटनाक्रम ने कीव और वाशिंगटन के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंधों को और प्रभावित किया। जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस ने पिछले एक सप्ताह में यूक्रेन के शहरों को निशाना बनाते हुए लगभग 2,300 हमलावर ड्रोन दौरे। उन्होंने पश्चिमी सहयोगियों से ड्रोन और मिसाइलों को रोकने वाले इंटरसेप्टर जल्द उपलब्ध कराने की अपील की। जेलेंस्की के मुताबिक रूस ने इस अवधि में करीब 1,600 निर्देशित बम और विभिन्न प्रकार की 48 मिसाइलें भी दौगाई, जिनमें बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल थीं। इन हमलों से देश के भी क्षेत्रों में जेलिती संयंत्रों, अनाज भंडारण केंद्रों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा।

गंगापूर्ण हिमाल पर पर्वतारोहण के दौरान लापता हुए दो जापानी पर्वतारोहियों के शव मिले

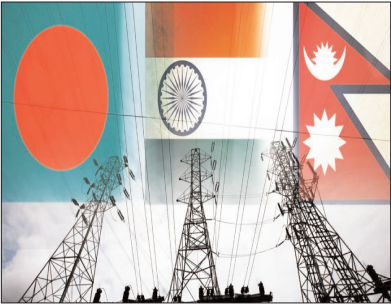


काठमांडू, एजेसी। नेपाल के मनांग जिले में स्थित गंगापूरी हिमाल पर पर्वतारोहण के दौरान लापता हुए दो जापानी पर्वतारोहियों के शव रिवरकार को बरामद किए गए हैं। शवों को काठमांडू लाने की तैयारी की जा रही है। आवश्यक काज के बाद नेपाल स्थित जापानी दूतावास के समन्वय से शव परिवजनों को सौंपे जाएंगे। मनांग के प्रमुख जिला अधिकारी मुक्ति प्रसाद खनाल के अनुसार निस्यांग गांवपालिका स्थित 7,455 मीटर ऊंचे गंगापूरी हिमाल पर चढ़ाई के दौरान जापानी नागरिक हिदेसुके तानेशिरी और तेत्सु हाशिमोतो शुक्रवार को लापता हो गए थे। दोनों पर्वतारोहियों का काठमांडू स्थित कांसोमो एडवेंचर कंपनी के माध्यम से नेपाली गाइड के साथ हिमाल आरोहण के लिए गए थे। वे पिछले 15 अक्टूबर से संपर्कविहीन थे। प्रमुख जिला अधिकारी खनाल ने बताया कि करीब 7,050 मीटर की ऊंचाई से संपर्क टूटने के बाद उनकी तलाश के लिए हेलीकॉप्टर और बचाव दल तैनात किए गए थे। तलाशी के दौरान उनके बैग और पर्वतारोहण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले थे। उन्होंने बताया कि लगातार तलाशी अभियान के बाद आज सुबह गंगापूरी हिमाल के दक्षिणी हिस्से में करीब 6,300 मीटर की ऊंचाई पर दोनों के शव मिले।

नेपाल में 4 हिमतालों का जलस्तर घटाने और 6 नदी बेसिन में पूर्व चेतावनी प्रणाली विस्तार की योजना

काठमाडौं। नेपाल सरकार ने बाढ के जोखिम को कम करने के लिए चार हिमतालों का जलस्तर घटाने और छह नदी बेसिन में पूर्व-चेतनावनी प्रणाली का विस्तार करने की योजना आगे बढ़ाई है। ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय के अंतर्गत जलविज्ञान तथा जलसंसाधन अनुसंधान केंद्र और मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को अलग-अलग श्वेतपत्र सार्वजनिक किए हैं। श्वेतपत्रों में हिमतालों से आने वाली बाढ़ के जोखिम को कम करने, मौसम पूर्वानुमान में सुधार करने और जोखिम वाले समुदायों तक समय पर सूचना पहुंचाने से जुड़े कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। इन श्वेतपत्रों में उपकरणों की संख्या बढ़ाने से लेकर मौसम पूर्वानुमान के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल तक के कार्यक्रम शामिल हैं। इनके कार्यान्वयन में बजट की निरंतर उपलब्धता, कुशल जनशक्ति और उपकरणों के नियमित रखरखाव को प्रमुख चुनौतियों के रूप में उल्लेख किया गया है। हिमतालों से जुड़े जोखिम को कम करने के लिए प्रस्ताविता 'रूपीक संजीवनी' परियोजना के तहत मनांग जिले के ठुलागी, संखुवासभा जिले के लोअर बरुण तथा सोलुखुम्बु जिले के लुम्दिंग छो और होंगु-2 हिमतालों का जलस्तर घटाने की योजना है। हिमताल के फटने से अचानक आने वाली बाढ़ को ग्लेशियल लेक आउटब्रस्ट फ्लड कहा जाता है। इस तरह की बाढ़ से निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों, बुनियादी ढांचे और जलविद्युत परियोजनाओं को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

नेपाल ने सितंबर-अक्टूबर में भारत को 592 करोड़ रुपये की बिजली बेची, बांग्लादेश को 40 मेगावाट निर्यात फिर शुरू



ट्रांसमिशन सिस्टम का इस्तेमाल कर बांग्लादेश को की जाने वाली 40 मेगावाट बिजली की आपूर्ति भी दोबारा शुरू हो गई है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के विद्युत प्रणाली संचालन विभाग (लोट डिस्पैच सेंटर) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में भारत को कुल 63 करोड़ 39 लाख 86 हजार 8 यूनिट बिजली निर्यात की गई। इस बिजली की बिक्री से 592 करोड़ 50 लाख रुपये का कारोबार हुआ। सितंबर-अक्टूबर महीने में भारत को दो माध्यमों से बिजली बेची गई। द्विपक्षीय बिजली बिक्री समझौते के तहत भारत के हरियाणा और बिहार राज्यों को बिजली की आपूर्ति की गई। शेष बिजली भारतीय ऊर्जा विनिमय बाजार (आईईएक्स) के डे-अहेड और रियल-टाइम बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर बेची गई।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण खरेलू मांग पूरी करने के बाद बचने वाली मासूसी बिजली हर साल भारत और बांग्लादेश को निर्यात करता है। द्विपक्षीय मध्यम अवधि के बिजली विक्री समझौते के तहत हरियाणा और बिहार को जून से अक्टूबर तक बिजली बेची जाती है। पिछले साल उत्पादन बंद होने के बाद बिजली निर्यात से होने वाले राजस्व में 100 करोड़ रुपये की कमी आई। उन्होंने अनुसार, इस मासूसी बिजली को गैर कुल बिजली में से निकालकर बिजली निर्यात के तहत बिजली साइडइम्पेक्स के तहत निर्यात किया जा सकता है।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव प्रचार का अभियान हुआ तेज, ओबामा के निशाने पर ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में अब केवल 10 दिन का वक्त बचा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों ने अपनी-अपनी पार्टियों के उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां की हैं। ट्रंप ने अगर राज जॉर्जिया के पेरी में और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेडवुड में अब्दुल अल-येयद पर मिशिंगन के अन्य डेमोक्रैट्स के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बराक ओबामा ने अपने प्रचार अभियान में ट्रंप को निशाने पर ले रहे हैं। सीनएन कौ रिपोर्ट के अनुसार ओबामा डेमोक्रैटिक पार्टी के लिए अहम प्रचारक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने मिशिंगन में भी ओहियो की तरह ट्रंप प्रशासन के दौरे को 'आराजक, क्रूर और चौरा ध्रुपचारी' ठहराते हुए आलोचना की। रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रैट्स अब उन राज्यों में आक्रामक रुख अपना रहे हैं जहां मुकाबला कड़ा है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों को कुछ सीटों को अपने पाले में लाने के मौकों को छोड़ना पड़ रहा है। इस बीच ट्रंप ने जॉर्जिया में रिपब्लिकन पार्टी के सामने आ रही चुनौतियों को स्वीकार करते हुए समर्थकों से कहा कि अगर वहां रिपब्लिकन पार्टी

सीनेट चुनाव जीतती है, तो यह 'काफी चौंकाते वाला' होगा। राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने फ्लोरिडा में समय से पहले अपना वोट डाला। हालांकि, इस चुनाव चक्र में इस प्रक्रिया का समर्थन करने के बावजूद वे पहले समय से पहले और डाक मतदान (मेल-इन वोटिंग) का विरोध कर चुके हैं।

ट्रंप ने सप्तरथों से कहा कि अगर रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक कॉलिंस डेमोक्रेटिक सीनेटर जॉन ओसॉफ को हरा देते हैं, तो यह 'चौंकाने वाला' होगा। रिपब्लिकन पार्टी ओसॉफ को सीट जीतने को लेकर काफी आश्वस्त है, लेकिन फ्लैड जुटने के मामले में कॉलिंस मौजूदा सीनेटर ओसॉफ से पीछे रह गए हैं। ट्रंप ने घोषणा की कि ऑडी मैकनॉन में एक 'बड़ा प्लॉट' लगाने के लिए 4.2 अरब डॉलर का निवेश करेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसरे में 30 हजार नौकरियां पैदा होंगी। ट्रंप ने प्रचार के दौरान सोमाली प्रवासियों की आलोचना जारी रखी और सवाल किया कि अमेरिका स्वीडन या नॉर्वे जैसे नॉर्डिक देशों से और लोगों को क्यों नहीं बुलाता। ओबामा ने कानादा पर लगाए गए टैरिफ की भी निंदा की।



नेपाल से भारत के ट्रांसमिशन नेटवर्क के जरिए बांग्लादेश को की जाने वाली 40 मेगावाट बिजली की आपूर्ति पिछले शुक्रवार, 23 अक्टूबर की शाम से फिर शुरू हो गई है। 126 आस्त को रसुमा में भोटेकोशी नदी में त्रिशूली नदी में बाढ़ आ गई थी। इससे बांग्लादेश को बिजली निर्यात की अनुमति प्राप्त त्रिशूली और चिलिमे जलविद्युत केंद्रों को नुकसान पहुंचा था। इसके बाद बिजली निर्यात रोक दिया गया था।

बाढ़ के कारण द्विपक्षीय सम्झौते के तहत स्वीकृत जलविद्युत केंद्रों को नुकसान पहुंचने से भारत के हरियाणा राज्य को होने वाला बिजली निर्यात भी आंशिक रूप से प्रभावित हुआ था। कार्यकारी निदेशक श्रेष्ठ ने बताया कि भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण से अन्य जलविद्युत केंद्रों में उत्पादित बिजली बांग्लादेश को निर्यात करने की अनुमति मिलने के बाद आपूर्ति फिर शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित जलविद्युत परियोजनाओं के उत्पादन और ट्रांसमिशन ढांचे को नुकसान पहुंचने के बावजूद अन्य परियोजनाओं से बिजली निर्यात जारी रखना और बांग्लादेश को आपूर्ति फिर शुरू होना नेपाल के बिजली व्यापार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके अनुसार, इससे मानसून के दौरान उत्पादित अतिरिक्त बिजली के लिए बाजार प्रबंधन करने और क्षेत्रीय बिजली व्यापार का विस्तार करने में मदद मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत त्रिशुली, देवीघाट और चिलिमे जलविद्युत केंद्रों के स्थान पर सोलु, काबेली-1 और लोअर मोदी जलविद्युत केंद्रों से उत्पादित बिजली बांग्लादेश और हरियाणा को निर्यात करने की अनुमति मिली है।

नेपाल में बाढ़ से निजी संपत्तियों को 7,917 करोड़ रुपये का हुआ नुकसान, 6,817 परिवार प्रभावित हुए



गया है। आयोग के अनुसार कुल नुकसान में से 69 अरब 57 करोड़ रुपये परिवारों की संपत्तियों को और 9 अरब 60 करोड़ रुपये व्यवसायों तथा प्रतिष्ठानों की संपत्तियों को हुआ है। निजी संपत्तियों को हुए कुल नुकसान में करीब 88 प्रतिशत हिस्सेदार परिवारों की संपत्तियों की है। बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन करने, वित्तीय जरूरतों का अनुमान लगाने और पुनर्निर्माण योजना सहित पीडीएनए रिपोर्ट तैयार करने के लिए मंत्रिपरिषद ने 12 भाद्र को निर्णय लिया था। इसी के अनुसार आयोग ने प्रश्नावली तैयार कर प्रभावित क्षेत्रों में आंकड़े जुटाए।

आयोग के अनुसार इस कार्य के लिए विभिन्न सरकारी निकायों के कर्मचारियों को तैनात किया गया। कुल 58 टीमों में 156 तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों को लगाया गया। काम या यात्रा के सिलसिले में

प्रभावित क्षेत्र से बाहर रहने वाले लोगों के परिवारों का विवरण संबंधित स्थानीय निकायों के माध्यम से भ्रवाने की व्यवस्था भी की गई। आयोग ने बताया कि पीडोएनए के लिए एकत्र किए गए आंकड़ों का प्रसंस्करण और विश्लेषण जारी है। खेक्षण के प्रारंभिक नतीजों के अनुसार, रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और गोरखा जिलों के 15 स्थानीय निकायों में 6,817 परिवार और 1,638 व्यवसाय प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 32,872 लोग सीधे प्रभावित हुए हैं। इनमें 16,714 पुरुष, 16,080 महिलाएं और 78 अन्य लिंग के व्यक्ति या ऐसे लोग शामिल हैं जिनकी लैंगिक पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है।

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, नुवाकोट सबसे अधिक प्रभावित जिला है। यहां 17,954 लोग प्रभावित हुए हैं और 4,164 परिवारों तथा प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा है। इसी तरह रसुवा

में 9,676 लोग और 1,977 परिवार, धार्मिक में 4,584 लोग और 1,052 परिवार तथा गोरखा में 658 लोग और 123 परिवार प्रभावित हुए हैं। आर्थिक नुकसान के लिहाज से जमीन को सबसे अधिक क्षति पहुंची है। सर्वेक्षण के अनुसार 3,610 परिवारों की 508 हेक्टेयर जमीन प्रभावित हुई है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 35 अरब 44 करोड़ रुपये आंकी गई है। बाद से क्षतिग्रस्त भवनों की संरचनाओं ने कुल 54.65 हेक्टेयर जमीन घेर रखी है। अपने स्वायत्त वाले चूको की जमीन को 13 अरब 26 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, भवन निर्माण में किए गए निवेश को जोड़ने पर 11 अरब 95 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान सामने आया है। इसके अलावा, 2,330 परिवारों की नकदी, बहुमूल्य वस्तुओं, सांस्कृतिक और पुरातात्विक संपत्तियों को 5 अरब 2 करोड़ रुपये की क्षति हुई है।

हूती की धमकी-यात्री रियाद हवाई अड्डे से दूर रहें, मिसाइल के टुकड़े मक्का और जेद्दा में गिरे, ईरान ने ड्रोन को मार गिराया



बताया है कि ईरान समर्थित समूह ने अदन के अनुसार, 'यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन' पर हमला करके अमेरिकी ड्रोन को मार कैरियर स्ट्राइक ग्रुप पर मौजूद विमानों को गिराने का दावा किया है। हमले के लिए तैयार किया जा रहा है।

अल जजीरा की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान की सेना ने दक्षिणी गदर अब्बास के ऊपर एक ड्रोन को मार गिराया है। यह एक मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) है। इस बीच, मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ने का डर गहराता जा रहा है। ईरान की अर्थ सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने बताया कि यह यूएवी अमेरिका में विकसित 'एल्यूमीनियम' ड्रोन था। इसे 'लो-कोस्ट अनकूड कॉम्बैट अवेक सिस्टम' (कम लागत वाला मानव रहित लड़ाकू हमला प्रणाली) के रूप में भी जाना जाता है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का ही ईरान पर हमला कर सकता है या फिर इस इस्लामिक गणराज्य के साथ कोई समझौता कर सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा, 'मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता होनी चाहिए, जिसे बाहरी हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय देश खुद मिलकर कायम कर सकते हैं। पिछले डेढ़ साल के संघर्ष एक अहम मोड़ हैं। अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहेगा। मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की किसी के लिए भी शांति या सुरक्षा लाने में नाकाम रहे हैं। इसके उलट, ये असुरक्षा का कारण बने हैं। ईरान मूल रूप से ऐसी किसी भी पहल का स्वागत करता है जो इस क्षेत्र के देशों के बीच आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे। उन्होंने कहा, 'यह साफ हो गया है कि इस क्षेत्र में युद्ध भड़काने के लिए सिर्फ इजराइल जिम्मेदार है। इसने लगातार शांति और स्थिरता कायम होने से रोका है और हमेशा संघर्ष को बढ़ावा देने व देशों

को कमजोर करने की कोशिश की है। इस क्षेत्र को अपनी शांति और स्थिरता के लिए विदेशी सेनाओं की मौजूदगी को खत्म करने की दृष्टि में आगे बढ़ना चाहिए। न तो ईरान और न ही ओमान ने कभी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के रास्ते में कोई रुकावट डाली है, बल्कि उन्होंने पर्यावरण की रक्षा करते हुए सुरक्षा और सलामती सुनिश्चित की है। होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन अब वैसा नहीं रहेगा जैसा पहले था। इस बीच हूती लड़ाके ताइज के पास स्थित राष्नीतिक पहाड़ी 'जबल सन्न' की ओर आगे बढ़ रहे हैं। लड़ाकों ने शहर को घेर लिया है और अदन जाने वाले मुख्य रास्ते को काट दिया है। अदन, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की अंतरिम राजधानी है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि शहर में फंसे आठ लाख लोगों तक मदद पहुंचाने के लिए समय कम होता जा रहा है।

अब तकनीकी रूप से उपयुक्त स्वदेशी विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद आयातित सामग्री का इस्तेमाल अनिवार्य बनाने वाले डिजाइन तैयार नहीं किए जा सकेंगे। विशेष रूप से आयातित बिटुमिन से बनने वाली डामर सड़कों के विकल्प के रूप में स्वदेशी सीमेंट से बनने वाली कंक्रीट सड़कों, स्थानीय पथरों और अन्य घरोलू निर्माण तकनीकों को अपनाने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, निर्देशिका में हर परिस्थिति में बिटुमिन और अस्फाल्ट के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इसमें तकनीकी रूप से उपयुक्त स्वदेशी विकल्पों को प्राथमिकता देने का प्रावधान किया गया है। सरकारी भवनों के निर्माण में भी आयातित ग्रेनाइट और टाइल्स के बजाय स्वदेशी मार्बल, पत्थर, स्लेट और टाइल्स के इस्तेमाल को प्राथमिकता देनी होगी। भवनों का सजावट, बिजली की फिटिंग, फर्नीचर और सैनिटरी सामग्री में भी स्वदेशी

आखिरकार यूक्रेन में स्टारलिंग की स्पीड बहाल

वाशिंगटन। यूक्रेन का कहना है कि उनके ग्राह स्टारलिनिक की स्पीड ब्रह्मा हो गई है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने माना कि ड्रोन हमलों के कारण स्पेसएक्स ने सर्विस की स्पीड कम कर दी थी। एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उनकी कंपनी स्पेसएक्स ने यूक्रेन में स्टारलिनिक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की स्पीड कम कर दी थी। इससे उन ऑपरेशंस में रुकावट आई, जिन पर यूक्रेन रूस के खिलाफ अपना बचाव करने के लिए निर्भर है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एकस पर मस्क का यह बयान तब आया, जब यूक्रन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्स्की ने कहा कि यूक्रन के लिए स्टारलिनक और स्टारशिल्ड सैटेलाइट लिंक की स्पीड फिर से पहले जैसी हो गई है।

पार्वतियों के कारण एक हफ्ते से भी अधिक समय तक फ्रंटलाइन ऑपरेशन्स में रुकावट आई थी। पिछले हफ्ते से ही यह सवाल उठ रहे थे कि मस्क के बनाए इस सैटेलाइट इंस्टेलेशन सिस्टम में रुकावट लाए जा आदेशों किसे दिया था।

कोव सालों से माँस्को के हमलों का जवाब देने के लिए इसी सिस्टम पर निर्भर रहा है जेलेन्स्की ने एकस पर लिखा, 'स्पीड अब उतनी ही है जितनी होनी चाहिए।' उन्होंने बताया कि बहाली का काम रात शुरू हो गया था और

शनिवार सुबह तक स्पीड ठीक हो गई, जिससे फ्रंट-लाइन पर लॉजिस्टिक्स और रूस के 'शहेद' ड्रोन के खिलाफ बचाव में सुधार हुआ है। मस्क ने माना कि स्टारलिन को स्पीड कम करने के पीछे वे ही थे। मस्क के इस खुलासे से पहले पिछले हफ्ते से ही यह समाचार बहा हुआ था कि मस्क के बजाए इस सैटलाइट को इंटरनेट सिस्टम में रूकावट लाने का आदेश किसने दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था और साथ ही यह भी कहा कि इसके लिए मस्क को दोष नहीं दिया जाना चाहिए।

मस्क ने शनिवार को एक्स पर स्वीकार किया कि उनकी कंपनी स्पेसएक्स ने स्टारलिनक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस को स्पीड कम कर दी थी। मस्क ने लिखा, 'स्टारलिनक एक आम नागरिक कमर्शियल सर्विस है। इसका इस्तेमाल लोगों को मारने के लिए आक्रामक ड्रोन हमलों में करना कभी भी मंजूर नहीं था और न ही होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'यूक्रेनी सेना ने स्टारलिनक की सेवा शर्तों का उल्लंघन किया और इसका इस्तेमाल लोगों को मारने के लिए आक्रामक ड्रोन हमलों में किया। उस खामी को पिछले सप्ते बंद कर दिया गया था।' उन्होंने कहा कि 'स्टारलिनक' में जो भी बदलाव हुए, उन पर अमेरिकी सरकार का नियंत्रण था।

एक नजर

पंजाब कांग्रेस को झटका, पूर्व विधायक रमिंदर सिंह आवला शिअद में शामिल
चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए जलालाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रमिंदर सिंह आवला रविवार को शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए। चंडीगढ़ आवास पर अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने उनका पार्टी में स्वागत किया। आवला के अकाली दल में शामिल होने को फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। रमिंदर सिंह आवला के पार्टी में शामिल होने के बाद सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जलालाबाद के पूर्व विधायक रमिंदर सिंह आवला का शिरोमणि अकाली दल परिवार में स्वागत करना खुशी की बात है। सुखबीर बादल ने कहा कि जलालाबाद की जनता ने उन्हें तीन बार सेवा करने का अवसर दिया है। अकाली सरकारों के कार्यकाल में इस विधानसभा क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास कार्य करवाए गए थे।

रमिंदर सिंह आवला वर्ष 2019 से 2022 तक जलालाबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रहे हैं। अक्टूबर, 2019 में हुए विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार राज सिंह डिब्बीपुरा को हराकर जीत हासिल की थी। यह सीट सुखबीर सिंह बादल के गढ़ के रूप में जानी जाती रही है। दरअसल, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सुखबीर सिंह बादल के फिरोजपुर संसदीय क्षेत्र से जीतने के बाद जलालाबाद विधानसभा सीट खाली हुई थी। इसके बाद हुए उपचुनाव में आवला ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की थी। रमिंदर सिंह आवला मूल रूप से फिरोजपुर जिले के गुरुहरसाहय विधानसभा क्षेत्र से संबंध रखते हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद वह कांग्रेस की गतिविधियों में सक्रिय रहे। आवला एक प्रमुख कारोबारी होने के साथ-साथ पंजाब यु्थ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इस वर्ष गुरुहरसाहाय में हुए नगर निकाय चुनावों के दौरान उन्होंने कांग्रेस के चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी। इन चुनावों में कांग्रेस ने 15 में से 13 वार्डों में जीत हासिल की थी। इससे पहले आवला के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की चर्चाएं भी सामने आई थीं, लेकिन अब उन्होंने शिरोमणि अकाली दल का दामन थाम लिया है।

चक्रवाती तूफान के असर से झारखंड में 27 से 30 अक्टूबर तक बारिश के आसार, दो दिन ऑरेंज अलर्ट

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र के भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना के बीच झारखंड में 27 से 30 अक्टूबर तक मौसम का मिजाज बदल सकता है। इसके प्रभाव से राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश, तेज हवा और वज्रपात की आशंका है। मौसम विभाग ने 27 और 30 अक्टूबर के लिए येलो अलर्ट, जबकि 28 और 29 अक्टूबर को भारी बारिश और आंधी-वज्रपात की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र फिलहाल श्री विजयपुरम (अंडमान द्वीप समूह) से लगभग 440 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 880 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 980 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 1,080 किलोमीटर पूर्व और बापटला (आंध्र प्रदेश) से 1,150 किलोमीटर पूर्व में स्थित है।

इसके पहले गहरे अवदाब (डीप डिप्रेशन) में बदलने और फिर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 26 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान का रूप लेने की प्रबल संभावना है। इसके बाद 27 अक्टूबर की सुबह तक यह पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवाती तूफान के उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और अधिक शक्तिशाली होकर अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान का रूप लेने की संभावना है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह तक आंध्र प्रदेश तट पर निकट पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचने और दोपहर से पहले बापटला तथा विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश एवं यन्म तटों को पार करने का अनुमान है। तट पार करते समय हवा की अधिकतम निरंतर गति 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जबकि झोंकों के साथ इसकी रफ्तार 140 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका है। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से झारखंड में 27 अक्टूबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के दावे को ध्यान भटकाने वाला बताया

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान शासन के हालिया इस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि अफगानिस्तान के पास पाकिस्तान को अस्थिर करने की न तो क्षमता है और न ही कोई इरादा। पाकिस्तान ने काबुल की इन बातों को ध्यान भटकाने वाला करार दिया। इस्लामाबाद ने तालिबान शासन से कहा कि वह अफगान धरती से काम कर रहे आतंकवादी समूहों को लेकर उसकीलंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान दे। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के शनिवार को जारी बयान में इस्लामाबाद ने कहा कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों पर दोष मढ़ने से अफगान तालिबान शासन अपनी इस जिम्मेदारी से नहीं बच सकता कि वह अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए न होने दे। मंत्रालय ने कहा, ‘पाकिस्तान की चिंताएं केवल अटकलों पर आधारित नहीं हैं।’ मंत्रालय ने कहा कि इसके समर्थन में संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका का अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों की मौजूदगी और उनकी गतिविधियों पर किए गए आकलन का हवाला दिया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगान तालिबान ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन ‘तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान’ (टीटीपी) को अफगान धरती से काम करने की छूट दे रखी है। तालिबान के समर्थन और इस समूह को मिली अधिक आजादी के कारण पाकिस्तान पर हमलों में

महाराजा अग्रसेन के आदर्श सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर समाज की मजबूत नींव : राज्यपाल कविंदर गुप्ता

हिसार,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा है कि अग्रोहा की ऐतिहासिक और पावन भूमि पर तीसरी बार आना उनके लिए गौरव का विषय है। यह भूमि महाराजा अग्रसेन जी के महान व्यक्तित्व और उनके लोककल्याणकारी विचारों से जुड़ेनों की प्रेरणा देती है। महाराजा अग्रसेन के आदर्श केवल अग्रवाल समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये पूरे भारतीय समाज की अमूल्य धरोहर हैं। सेवा, समानता, सहयोग और सामाजिक समरसता का उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है।अग्रोहा में आयोजित वार्षिक मेला के अवसर पर उपस्थितजन को संबोधित करते हुए राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने रविवार को कहा कि महाराजा अग्रसेन एक महान शासक होने के साथ-साथ दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे।

उन्होंने ऐसी सामाजिक व्यवस्था की कल्पना की, जिसमें समृद्धि का लाभ समाज के किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और हर व्यक्ति को सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिले। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक संपन्नता में नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और कमजोर वर्गों के प्रति उसकी जिम्मेदारी में भी निहित होती है। अग्रवाल समाज ने व्यापार, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समाज द्वारा विद्यालयों, अस्पतालों, धर्मशालाओं, गौशालाओं और जनकल्याणकारी संस्थाओं के माध्यम से

योगी सरकार के विकास मॉडल से आजमगढ़ को नई पहचान, ‘यूपी डायलॉग’ में शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता पर गहन मंथन

आजमगढ़,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विकास, सुशासन और युवाओं की भागीदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए रविवार को आजमगढ़ के सिविल लाइंस स्थित होटल गोल्डन फॉर्च्यून में ‘यूपी डायलॉग’ का आयोजन किया गया। ‘आजमगढ़ राइजिंग: हेरिटेज, एजुकेशन, सिक्वोरिटी एंड इकोनॉमिक ग्रोथ’ विषय पर आयोजित इस संवाद में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। फ्रेंड्स ऑफ यूपी पहल के अंतर्गत फ्रेंड्स ऑफ योगी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले की सांस्कृतिक विरासत, उच्च शिक्षा, कानून-व्यवस्था, स्थानीय उद्यमिता और आर्थिक विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास, निवेश और महिला सशक्तीकरण से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने आजमगढ़ की स्थानीय क्षमताओं को नए अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम में महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के कुलपति प्रो. संजीव कुमार, सार्वजनिक नीति, स्टार्टअप और नवाचार क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉ. ओमकार राय तथा अध्ययन फाउंडेशन फॉर पॉलिसी एंड रिसर्च के सीईओ शशांक शेखर सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में विचार रखे। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल शिक्षा प्रदान करने और डिग्री देने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं में नवाचार, उद्यमिता और



किए जा रहे कार्य परोपकार की परंपरा को मजबूत करते हैं।राज्यपाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी की एक ईंट-एक रुपया की परंपरा हमें सिखाती है कि जब प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देता है, तो सामूहिक सहयोग से समाज की बड़ी से बड़ी जरूरत पूरी की जा सकती है। इस परंपरा का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और सम्मानपूर्वक जीवन शुरू करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज की यह भावना सामाजिक उत्तरदायित्व और परस्पर सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। समाज की प्रगति तभी सार्थक है, जब व्यक्तिगत सफलता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ी हो हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल अपने संबोधन में कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के विचार और आदर्श आज भी समाज को एकजुट करने तथा जनकल्याण की भावना को

मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने ऐसे समाज की कल्पना की थी, जिसमें आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समानता, आपसी विश्वास और प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान को प्राथमिकता मिले। वार्षिक समारोह में सुबह से ही आने जाने वालों का ताता लगा रहा। ध्वजारोहण पूर्व राज्यसभा सांसद एवं एस्सल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुभाष चंद्र व अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने किया। मेले का शुभारम्भ तड़के शक्ति सरोवर स्नान व मंदिर की आरती से हुआ। मंदिरों के दर्शन करवाने के लिए महिलाओं की टीमें लगी हुई थी।ट्रेड फैयर मेला आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की बहुत लंबी लाइन लगी हुई थी।शक्ति सरोवर में हजारों महिला व पुरुष ने स्नान किया।गाजे-बाजे के साथ महिला कलश यात्रा मंदिर के प्रांगण से निकाली गई।

बांग्लादेश में 13 दिन में 292 सड़क हादसे, 281 लोगों की मौत, 837 घायल, आरएसएफ की रिपोर्ट

ढाका (बांग्लादेश),एजेंसी। बांग्लादेश में त्योहारों पर होने वाले सड़क हादसों में चिंताजनक वृद्धि ने सवाल खड़े किए हैं। रोड सेफ्टी फाउंडेशन (आरएसएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, 21 मई से 2 जून तक ईद-उल-अजहा के दौरान 13 दिनों के सफर में देश में 292 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें कुल 281 लोगों की मौत हो गई और 837 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान हर दिन औसतन 22 लोगों की मौत हुई। मरने वालों में 34 महिलाएं और 48 बच्चे शामिल थे। ढाका ट्रिब्यून में प्रकाशित आरएसएफ की इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या मोटरसाइकिल सवारों की रही। मोटरसाइकिल से जुड़ी 141 दुर्घटनाओं में 124 लोगों की मौत हुई, जो कुल मौतों का 44.12% है। कुल सड़क दुर्घटनाओं में 48.28% हिस्सा मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं का रहा। इन हादसों में पैदल चलने वाले 37 लोगों (13.16%) की मौत हुई, जबकि वाहनचालकों और उनके सहायकों में से 33 लोगों (11.74%) की जान गई।

इस दौरान जलमार्गों पर 13 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें आठ लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। साथ ही, कुर्बानी के लिए लाए गए 24 मवेशियों की भी मौत हो गई। इसके अलावा, रेल से जुड़ी 22 दुर्घटनाओं में 17 लोगों की मौत हुई और नौ लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, अन्य मौतों में बस के 21 यात्री (7.47%), ट्रक, कवर्ड वैन, पिकअप और ट्रैक्टर के 32 यात्री (11.38%), निजी कारों और एम्बुलेंस के 11 यात्री (3.91%), ऑटो-रिक्शा और ईजी-बाइक जैसे तीन पहिया वाहनों के 48 यात्री (17.08%), और स्थानीय स्तर पर बने वाहनों के आठ यात्री (2.84%) शामिल थे।



रिपोर्ट के अनुसार, कुल दुर्घटनाओं में से 97 (33.21%) राष्ट्रीय राजमार्गों पर, 112 (38.35%) क्षेत्रीय सड़कों पर, 42 (14.38%) ग्रामीण सड़कों पर, 37 (12.67%) शहरी क्षेत्रों में और 4 (1.36%) अन्य स्थानों पर हुईं। 127 दुर्घटनाएं (43.49%) नियंत्रण खोने के कारण हुईं। 73 (25%) आमने-सामने की टक्कर से हुईं। 42 (14.38%) हादसे पीछे से टक्कर के कारण हुए। 138 (13%) राहगीरों को वाहनों ने टक्कर मारी। 12 हादसे (4.10%) अन्य कारणों से हुए। इस दौरान ढाका डिवाजन में सबसे अधिक 95 दुर्घटनाएं और 101 मौतें दर्ज की गईं। इसके बाद राजशाही (मौतों का 18.50%), चटगांव (12.09%), खुलना

शरद पूर्णिमा पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में छाई दिव्य छटा, चन्द्रलोक सा सजा श्रीकेशवदेव मंदिर

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर

रविवार शाम शरद पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत भव्यता, शास्त्रीय मर्यादा और ब्रज की समृद्ध परंपराओं के साथ मनाया गया। शरद पूर्णिमा महोत्सव समिति के विशिष्ट सहयोग और भावपूर्ण सेवा से आयोजित इस पावन उत्सव ने देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भगवान श्रीकेशवदेव मंदिर के गर्भगृह को इस बार अत्यंत अलौकिक रूप से चन्द्रलोक के स्वरूप में सजाया गया था। धवल विद्युत सज्जा और पुष्प बंगले में विराजमान ठाकुर श्री केशवदेव जी के अलौकिक दर्शन पाकर भक्त अभिभूत हो उठे। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो चंद्रमा की शीतल चांदनी सीधे मंदिर प्रांगण में उतर आई हो। श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर विराजमान श्रीगिरिराज जी महाराज का मंदिर भी विशेष रूप से सजाया गया। सफेद वस्त्रों, आकर्षक रोशनी और श्वेत श्रृंगार में विराजमान गिरिराज जी महाराज के अलौकिक दर्शन तथा भव्य छप्पनभोग श्रद्धालुओं के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। ब्रज की परंपरा के अनुसार शरद पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रविवार प्रातःकाल से ही



श्रद्धालुओं को विशेष खीर महारासदा वितरित किया गया, जिसे भक्तों ने बड़े भाव और श्रद्धा से ग्रहण किया। रविवार पूर्वाह्न 11 बजे से लीलामंच प्रांगण में विशाल प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद प्राप्त किया। रविवार सायंकाल 6 बजे से लीलामंच पर भव्य भजन संंध्या का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री सोनी सिस्टर और सुश्री अंजली साध्वी ने भगवान श्रीकृष्ण की महिमा से जुड़े मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजन संंध्या के पश्चात श्रीकृष्ण चबूतरा पर वृन्दावन के कलाकारों द्वारा श्रीराधा-कृष्ण की मनोहारी लीला और महारास का मंचन किया गया। कलाकारों ने

अपनी अद्भुत प्रस्तुति से ब्रज की पारंपरिक रासलीला को सजीव कर दिया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि यह महोत्सव संस्थान की धार्मिक गरिमा और श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में शरद पूर्णिमा महोत्सव समिति के रसिक भक्तगणों गौरव अग्रवाल, गजानन साड़ी वाले, राहुल गोयल, प्रतीक शर्मा, अमित गुप्ता, अनिल भाई, पंकज अग्रवाल, बन्टी गोला, पारस अग्रवाल, माधव अग्रवाल, जीतू हरनौल, प्रवीण बंसल एवं बालमुकुंद अग्रवाल सहित समिति के तमाम सदस्यों का उत्कलेखनीय एवं सराहनीय सहयोग रहा।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी) से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से

प्रकाशित किया।सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)